1 17 MAY 2018 दैनिक नवज्योति

अध्यापक विकास कार्यशाला का आयोजन

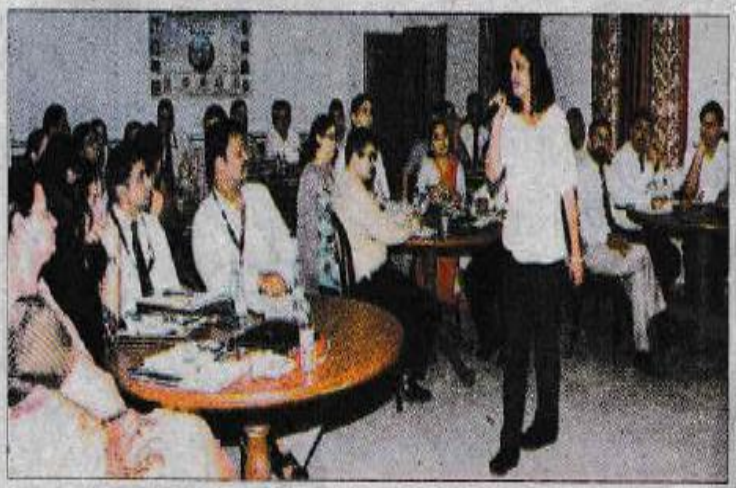

न्यूज सर्विस/नवज्योति, पिलानी

कस्बे में बिरला एज्यूकेशन ट्रस्ट द्वारा अध्यापक विकास कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला का तीसरा दिन का शुभारम्भ मेजर जनरल एस.एस नायर ने किया। अध्यक्षता पवन वशिष्ठ प्राचार्य बिरला शिशु विहार पिलानी ने की। कार्यशाला में कैप्टन अलोकेश सेन प्राचार्य बिरला पब्लिक स्कूल भी उपस्थित थे। बिरला शिशु विहार की कार्यशाला में रचना स्वरुप, एनआईआईटी जो कि एक एक बहुत प्रभावशाली एज्युकेशन ट्रेनर ने बताया कि किस प्रकार इक्कीसवीं शताब्दी के बच्चों को शिक्षा दी जाए। रचना स्वरुप ने बताया कि परम्परागत शिक्षा और इक्कीसवीं शताब्दी की शिक्षा मे जमीन और आसमान का फर्क है जो कि एक शिक्षक/शिक्षका को बच्चों को सिखाना होगा।

शिशु विहार मे अनित गिर्गला चेरियन और अनुराधा शर्मा बहुत ही वरिष्ठ रिसर्च फेलो है। कार्यशाला अंत मे पवन वशिष्ठ प्राचार्य बिरला शिशु विहार ने सभी अतिथियों को प्रतिक चिन्ह भेट कर सम्मानित किया और धन्यवाद दिया। कार्यशाला में बिरला बालिका विद्यापीठ, बिरला पब्लिक स्कूल, बिरला स्कूल, बिरला शिशु विहार और बिरला इंटरनेशनल स्कूल किशनगढ़ के शिक्षक एवं शिक्षकाएं उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर 17 MAY 2018

कार्यशाला में बच्चों के मूल्यांकन करने के तरीकों पर चर्चा की

पिलानी। बिरला एज्युकेशन ट्रस्ट के तत्वावधान में चल रहे अध्यापक विकास कार्यक्रम के तहत बुधवार को बिरला शिशु विहार में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन बीईटी निदेशक मेजर जनरल एसएस नायर ने किया। प्राचार्य पवन वशिष्ठ ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यशाला के दौरान एनआईआईटी की रचना स्वरुप ने 21वीं सदी के बच्चों को शिक्षा देने के लिए शिक्षकों को खुद में काफी बदलाव लाने पर बल दिया। कहा कि परंपरागत शिक्षा व 21वीं सदी की शिक्षा में जमीन आसमान का फर्क है। कार्यशाला के दौरान एसीईआर के अनिल गिर्गला चेरियन व अनुराधा शर्मा ने बच्चों का मूल्यांकन करने के तरीकों पर चर्चा की। लेखक, कवि व एडिटर मदन सक्सेना ने विषयों को रुचि के साथ पढ़ाने पर बल दिया। इस मौके पर कैप्टन आलोकेश सैन सहित बीईटी विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद थे।

rajasthanpatrika.com
राजस्थान पत्रिका . झुंझुनूं . गुरुवार, 17.05.2018

शिक्षक शिक्षण में करें तकनीक का प्रयोग

पिलानी. बिरला शिक्षण संस्थान की ओर से संचालित फैकल्टी डवलपमेंट प्रोग्राम में आयोजित हो रहे चार दिवसीय अध्यापक विकास कार्यक्रम में बुधवार को विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान हुए। कार्यशाला में एनसीईआरटी के प्रोफेसर रामकृष्ण अडुरी ने गणित तथा विज्ञान विषय के शिक्षण में तकनीक का प्रयोग कर सुगम शिक्षण के बारे में बताया। उन्होंने कक्षा में कौशल तथा मूल्यांकन विधियों के के बारे में जानकारी दी। शशिनी नायर ईएलटी ने विषय विशेषज्ञ के रूप में चर्चा करते हुए कक्षा में अंग्रेजी शिक्षण के बारे में बताया।

अनिल नांगलिया ने सॉफ्टवेयर प्रोग्रामिंग से जुड़ी जानकारी दी। इससे पहले विद्यालय प्राचार्य डॉ. एम कस्तूरी तथा कोर्डिनेटर अनिला मिश्रा ने कार्यशाला का शुभारंभ किया। इसी प्रकार बिरला शिशु विहार स्कूल में 21वीं शताब्दी में बच्चों के लिए शिक्षण विषय पर कार्यशाला हुई। कार्यशाला का शुभारंभ बीईटी निदेशक जनरल एसएस नायर एवं प्राचार्य पवन वशिष्ठ ने किया।